nt>

Title: Regarding allocation of funds for Bihar under the National Labour Development Scheme.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय): अध्यक्ष महोदय, कल वित्त मंत्री जी ने इस सदन में अपने बजट में यह घोाणा की थी कि बिहार को 3225 करोड़ रुपए का राट्रीय सम विकास योजना में विशेा पैकेज दिया गया है। â€¦ (व्यवधान)

SHRI PRABHUNATH SINGH (MAHARAJGANJ, BIHAR): Sir, I have also to speak on the same subject.

MR. SPEAKER: Okay. Let him conclude first.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : सच्चाई यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी जी की राट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने राट्रीय सम विकास योजना में बिहार राज्य को चार हजार करोड़ रुपए दिए थे, जिसमें से एक हजार करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। हम वित्त मंत्री जी से जानना चाहेंगे कि ये 3225 करोड़ रुपए की जो घोाणा उन्होंने की है, यह उन चार हजार करोड़ रुपए के अतिरिक्त है या उसी में निहित है। अगर यह उसी का भाग है तो यह बिहार के साथ अन्याय है, क्योंकि तत्कालीन प्रधान मंत्री ने जब बिहार राज्य को चार हजार करोड़ रुपए देने की घोाणा की थी, तब लालू जी ने बयान दिया था कि यह पैकेज राट्रीय सम विकास योजना के तहत दिया गया पैकेज है, विशेा पैकेज नहीं है। इसलिए वही राशि विशेा पैकेज के रूप में कैसे घोाति की गई और यह करके ये लोग अपनी पीठ स्वयं थपथपा रहे हैं। इसलिए हम वित्त मंत्री जी से चाहेंगे कि वह इसको स्पट करें।

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, you can associate yourself with Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalan'.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh is a very senior Member, and you need not prompt him.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, these are important issues. Why are you disturbing the hon. Member?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, you just associate yourself with the earlier hon. Member.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिस समय प्रश्न काल शुरू हुआ था, तब भी मैंने यह सवाल उठाया था और अभी हमारे साथी राजीव रंजन जी ने भी यह सवाल उठाया है।

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको भी मौका दिया है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : मैं अपने को उनसे सम्बद्ध करते हुए कहना चाहता हूं कि वित्त मंत्री जी यहां मौजूद हैं, एक संशय की स्थिति बनी हुई है, बिहार के लोग जानना चाहते हैं कि आखिर यह पैसा किस मद के तहत दिया गया है। पूर्व की सरकार ने जो पैसा दिया था, उसमें से कुछ खर्च भी हुआ, क्या उसी में से काटकर दिया गया है या जो स्वीकृत हुआ था, उसके अलावा दिया गया है इसलिए कृपया वित्त मंत्री जी को सदन में इसका स्पटीकरण देना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करेंगे, तो यह बिहार की जनता के साथ धोखा होगा। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are very forceful.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You kindly take your seat.

श्री प्रभुनाथ सिंह : बिहार की जनता जानना चाहती है कि वित्त मंत्री जी ने जो यह घोाणा की है, जो पैकेज दिया है, क्या वह पुराने पैकेज का ही रूप है या कोई नया पैकेज देने जा रहे हैं? वित्त मंत्री जी यहां बैठे हैं, वह इसको स्पट करें।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is entirely for the hon. Minister to decide whether to respond instantly or not.

...(*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : यह बिहार की जनता के साथ सीधे धोखाधड़ी का सवाल है इसलिए वह स्पट करें कि बिहार को जो पैसा दिया है, वही पुराना है या कोई अतिरिक्त दिया है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I cannot compel him, and you know that very well.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Both the hon. Members cannot speak simultaneously. Only one of you can speak at a time.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, माननीय वित्त मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं। हम आपसे निवेदन करते हैं कि आप उन्हें कहें कि वे इसके बारे में स्पटीकरण दें।

MR. SPEAKER: You know very well that I cannot compel the Minister to answer.

श्री नीतीश कुमार (नालन्दा) : माननीय अध्यक्ष जी, वित्त मंत्री जी को चाहिए कि इस पर स्पटीकरण दें।

MR. SPEAKER: He has heard you. You have raised a very important issue. I have no doubt the Government will consider it. Now, I give the floor to Shri Shailendra Kumar. Certainly they will consider it, I have no doubt about it. You have raised a very important issue. I have given you full opportunity.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज पूरे देश में छात्रों का विश्वविद्यालयों में प्रवेश का मामला गंभीर होता जा रहा है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only Shri Shailendra Kumar's remarks will go on record and nothing else will be recorded.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: You please sit down. Please do not get up on every issue.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Two very competent hon. Members have made their points on this issue. Why are you disturbing them? You are spoiling their point. I am also allowing Shri Nitish Kumar to add to what they have already said.

...(*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK (AHMEDABAD): Sir, we want a clarification from the Minister as to whether this package is only for Bihar or whether it will also benefit Jammu and Kashmir, North-East and Bihar. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Harin Pathak, you know the procedure. I have given them full opportunity.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have raised very important issues pertaining to Bihar. Without any notice, I am giving opportunity to Shri Nitish Kumar to speak on this issue.

श्री नीतीश कुमार : अध्यक्ष जी, जो प्रश्न माननीय रविरंजन सिंह जी ने और माननीय प्रभुनाथ सिंह जी ने उठाया है, उसके साथ मैं अपने को संबद्ध करते हुए माननीय वित्त मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि राट्रीय सम-विकास योजना के अंतर्गत बिहार को विशेा पैकेज दिया गया था और जब बिहार का पुनर्गठन हुआ था तभी यह वायदा किया गया था तथा उसी के आधार पर राट्रीय सम-विकास योजना के अंतर्गत भारत सरकार ने बिहार को पैकेज दिया था। उस समय माननीय लालू प्रसाद जी ने जो यहां बैठे हुए हैं कहा था कि राट्रीय सम-विकास योजना तो राज्य का विाय है और अगर इसके अंतर्गत आपने कुछ दिया भी है तो वह पैकेज नहीं है।

*Not Recorded.

पहली बात तो यह है कि जो एनडीए की सरकार ने राट्रीय सम-विकास योजना के अंतर्गत बिहार को पैकेज दिया था क्या उसी पैकेज को मान्यता आप फिर से दे रहे हैं यह घोाणा करके कि राट्रीय सम-विकास योजना के अंतर्गत ही पैकेज दिया गया है। एक तो यह बात स्पट करें। दूसरा, जिस पैसे की स्वीकृति की गयी और जिसका कुछ हिस्सा खासकर पावर सैक्टर के लिए, सब-ट्रांसमिशन के लिए दिया गया और अगर मुझे फिगर्स याद हैं तो सम्भवतः 365 करोड़ रुपया रिलीज भी हुआ था और शायद इस पर बिहार विधानमंडल में बिहार के राज्यपाल ने अपने अभिभााण में इस बात का जिक्र भी किया था। इसलिए माननीय सदस्यों का स्पटीकरण मांगना वाजिब है। इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि क्या यह वही पैकेज है या दूसरा पैकेज है।

तीसरी बात, बिहार के विधानमंडल से पारित करके बिहार की सरकार ने मांग की थी कि 1 लाख 79 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया जाए। उस पैकेज का क्या हुआ? बिहार में इस चुनाव के दौरान कुछ लोगों ने इसे अपने कंपेन में उठाया कि हमने केन्द्र सरकार से इतनी मांग की थी लेकिन हमें नहीं मिला। हमें यह जानने का अधिकार है कि 1 लाख 79 हजार करोड़ रुपये का क्या हुआ? साथ ही हम यह भी जानना चाहते हैं कि 1 लाख 79 हजार करोड़ रुपये की मांग और ऐलान 3 हजार 225 करोड़ रुपया और उसमें भी स्पटता नहीं है कि यह पुराने वाला पैसा है या उसके अतिरिक्त है, यह भी स्पट नहीं है। यह तो ऐसे ही हुआ कि "खोदा पहाड़ और निकली चुहिया" । यह उचित अवसर है, इसलिए हम माननीय वित्त मंत्री जी से इसका स्पटीकरण चाहते हैं। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have made your point. This is not the time for debate.

श्री नीतीश कुमार : अध्यक्ष जी, डिबेट की बात नहीं है। माननीय वित्त मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं और उन्होंने अपने बजट भााण में इसके बारे में पूरी चर्चा की है। अब वे इस बात को क्लैरिफाई कर सकते हैं कि क्या यह वही पैकेज है या उसके अतिरिक्त है। माननीय वित्त मंत्री जी बैठे हुए हैं, वे बोल सकते हैं। अगर वे नहीं बोल रहे हैं तो इसका मतलब साफ है कि पहले वाले की ही उन्होंने घोाणा की है।â€¦ (व्यवधान) अगर वे नहीं बोल रहे हैं तो साफ हो गया है कि यह वही पहले वाला पैकेज है और उनकी घोाणा एक ढपोरशंखी घोाणा है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: He has listened to your point. Thank you very much, Nitishji.

श्री नीतीश कुमार : अध्यक्ष जी, आपको धन्यवाद है। आपने हमें समय देकर पुरानी परम्परा का पालन किया है। बिना नोटिस के आप लोगों को सम्बद्ध करते रहे हैं, इसके लिए आपको धन्यवाद।

MR. SPEAKER: Very well, you can draw your conclusions. I give the floor to Shri Shailendra Kumar.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, इसका स्पटीकरण दिलवाएं।

MR. SPEAKER: What can I do? I have given you full opportunity and also to Nitishji without any notice. I have given you the opportunity without any notice because it is a very serious and important matter. I give the floor to Shri Shailendra Kumar.

SHRI NITISH KUMAR : The cat is out of the bag.